भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2684

11 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एनीमिया मुक्त भारत अभियान के संशोधित परिचालन दिशानिर्देशों का कार्यान्वयन

2684 # श्री बृज लाल:

डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंह:

श्रीमती माया नारोलिया:

श्री मयंककुमार नायक:

श्री कणाद पुरकायस्थ:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जारी संशोधित परिचालन दिशानिर्देशों की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(ख) संशोधित परिचालन दिशानिर्देशों के अंतर्गत प्रस्तुत एनीमिया मुक्त भारत अभियान (7x7x7) फ्रेमवर्क का ब्यौरा क्या है;

(ग) लाभार्थियों की जांच, उपचार एवं अनुवर्ती कार्यवाही को सुदृढ़ करने के लिए योजना के अंतर्गत अपनाई गई टी4 रणनीति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) एकीकृत एनीमिया मुक्त भारत अभियान पोर्टल का ब्यौरा क्या है और इसके माध्यम से एनीमिया संबंधी सेवाओं की डिजिटल ट्रैकिंग एवं निगरानी को किस प्रकार सुदृढ़ किया जाना प्रस्तावित है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): भारत सरकार ने हाल ही में दिनांक 29 जून 2026 को आयोजित केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद (सीसीएचएफडब्ल्यू) की 16वीं बैठक के दौरान एनीमिया मुक्त भारत अभियान के परिचालन दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों के अनुसार, एनीमिया से निपटने के लिए 7X7X7 कार्यनीति अपनाई जाएगी, जो एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की पुरानी 6X6X6 कार्यनीति से आगे बढ़कर एक नई कार्यनीति होगी। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के घटक इस प्रकार हैं:

1. लाभार्थी समूह के आधार पर प्लेटफार्मों पर डिजिटल इनवेसिव हीमोग्लोबिनोमीटर का उपयोग करके हीमोग्लोबिन परीक्षण की संतृप्ति।
2. एनीमिया के निदान की श्रेणी के अनुसार रोकथाम और लक्षित चिकित्सीय प्रबंधन।
3. उपयुक्त केस-आधारित प्रबंधन के लिए पोषण संबंधी एनीमिया और गैर-पोषण संबंधी एनीमिया का पृथक्करण।
4. एनीमिया सेवाओं का पता लगाने के लिए सुदृढ़ डिजिटल प्रणाली: टी3 दृष्टिकोण (टेस्ट, ट्रीट, टॉक) से टी4 दृष्टिकोण (टेस्ट, ट्रीट, टॉक और ट्रैक) की ओर बदलाव
5. 'ईट राइट दृष्टिकोण' की पद्धति के साथ आहार में विविधता और प्रतिदिन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना।
6. अभिसारी दृष्टिकोण का कार्यान्वयन - पूरक अंतक्षेपों के कार्यान्वयन और अंतर-मंत्रालयी अभिसरण के लिए 'संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण'
7. जन भागीदारी – एनीमिया की निष्क्रिय स्वीकृति से सक्रिय जिम्मेदारी की ओर मानसिकता बदलने के लिए संचार कार्यनीति (टेस्ट, ट्रीट, टॉक और ट्रैक के लिए)

(ख): एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 7X7X7 ढांचे का विवरण इस प्रकार है:

सात लाभार्थी इस प्रकार हैं:

1. 6-59 महीने के बच्चे
2. 5-9 वर्ष के बच्चे
3. 10-19 वर्ष के किशोर
4. गर्भवती महिलाएं
5. स्तनपान कराने वाली माताएं
6. प्रजनन आयु की महिलाएं (20-49 वर्ष)
7. 0-6 माह के कम जन्म भार वाले शिशु

ये सात अंतक्षेप इस प्रकार हैं:

1. रोगनिरोधी आयरन आईएफए अनुपूरण
2. एनीमिया की जांच
3. एनीमिया का चिकित्सीय प्रबंधन
4. डिवार्मिंग एंड डिलेएड कॉर्ड क्लैम्पिंग
5. जन भागीदारी - एनीमिया के बारे में आम धारणा को दूर करने और आईएफए अनुपूरण के अनुपालन को बेहतर बनाने के लिए संचार कार्यनीति

6. एनीमिया के गैर-पोषण संबंधी कारणों का समाधान
7. सही खान-पान - स्थानीय स्तर पर उपलब्ध आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना और आहार में विविधता लाना

सात संस्थागत तंत्र इस प्रकार हैं:

1. अंतर-मंत्रालयी समन्वय
2. राष्ट्रीय एनीमिया उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र
3. राष्ट्रीय एएमबी अभियान इकाई
4. आपूर्ति श्रृंखला एवं लाजिस्टिक्स का सुदृढ़ीकरण
5. अन्य मंत्रालयों के साथ समन्वय
6. एनीमिया मुक्त भारत अभियान पोर्टल
7. टी4 पद्धति के माध्यम से निगरानी हेतु डिजिटल ढांचा

(ग) और (घ): टी4 दृष्टिकोण में एनीमिया की जांच, एनीमिया का उपचार, जन भागीदारी के माध्यम से जागरूकता और अनुपालन के लिए बातचीत और उपचार, रेफरल और फॉलो-अप के लिए लाभार्थियों की निगरानी शामिल है। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत एनीमिया सेवाओं की डिजिटल ट्रैकिंग और निगरानी को सुदृढ करने के लिए डिजिटल ढांचा लागू किया गया है। लाभार्थियों की एनीमिया की जांच विभिन्न प्लेटफार्मों पर की जाती है, जिनमें जननी पोर्टल पर पंजीकृत गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताएं, आरबीएसके पोर्टल पर पंजीकृत स्कूल जाने वाले बच्चे और यू-विन पोर्टल पर पंजीकृत टीकाकरण के लिए बच्चे शामिल हैं। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत एनीमिया को हल्के, मध्यम और गंभीर एनीमिया में वर्गीकृत करना और प्रोटोकॉल के अनुसार एनीमिया का उचित प्रबंधन करना भी परिकल्पित है।

*****